भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
27.03.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3923 का उत्तर

वंदे भारत स्लीपर प्रोटोटाइप का परीक्षण

3923. डा. दिनेश शर्मा:
श्री केसरीदेवसिंह झाला:
डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:
श्रीमती किरण चौधरी:
श्री आदित्य प्रसाद:
श्री दीपक प्रकाश:
श्री शंभू शरण पटेल:
डा. कविता पाटीदार:
श्री अमर पाल मौर्य:
श्री बाबू राम निषाद:
श्रीमती सीमा द्विवेदी:
डा. परमार जशवंतसिंह सालमसिंह:
श्री नरहरी अमीन:
श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण:
श्री नारायण कोरागप्पा:
श्री लहर सिंह सिरोया:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 'एर्गोनॉमिक बर्थ' और उन्नत शोर कम करने वाली तकनीक को शामिल करने से यात्रियों के रात्रिकालीन यात्रा अनुभव में किस प्रकार सुधार हुआ है;
(ख) दिसम्बर 2026 तक 30 नए स्लीपर रेक लॉन्च करने के लक्ष्य की दिशा में क्या विशिष्ट प्रगति हुई है;
(ग) क्या मंत्रालय ने सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ), चेन्नै में 24 कोच वाले वंदे भारत स्लीपर प्रोटोटाइप का परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) हावड़ा-गुवाहाटी कॉरिडोर पर पारंपरिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेनों की तुलना में यात्रा समय में कितनी कमी आई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ) भारतीय रेल पर यात्रियों की संरक्षा, सुविधा और आराम को बेहतर बनाने हेतु चल स्टॉक का आधुनिकीकरण और सुधार/उन्नयन एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

इसमें सीटों के एर्गोनोमिक डिज़ाइन और साउंड इन्सुलेशन पेंट, उन्नत सस्पेंशन के उपयोग आदि जैसे ध्वनि-रोधक प्रणालियों का प्रावधान शामिल है।

लंबी दूरी की यात्रा के लिए, भारतीय रेल ने वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर संस्करण को स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और विकसित किया है।

वंदे स्लीपर जैसे नए चल स्टॉक के विकास की प्रक्रिया में प्रौद्योगिकीय नवाचार, रणनीतिक योजना और विनिर्माण के साथ एक समग्र दृष्टिकोण अपेक्षित है ताकि सुरक्षित, विश्वसनीय और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित की जा सके। इसमें प्रोटोटाइप का विकास, गहन परीक्षण और जांच के पश्चात श्रृंखलाबद्ध उत्पादन शामिल है।

इन ट्रेन-सेटों को उन्नत संरक्षा विशेषताओं और यात्री सुविधाओं से सुसज्जित आधुनिक सवारी डिब्बें उपलब्ध कराए गए हैं:

- झटका मुक्त सेमी परमामेंट कपलर एवं एंटी-क्लाइम्बर।
- कवच से सुसज्जित
- 180/160 किलोमीटर प्रति घंटे के डिजाइन/परिचालन गति के साथ उच्चतर त्वरण।
- ईएन मानकों के साथ कारबॉडी के अनुरूप दुर्घटना-रोधी डिज़ाइन।
- अग्नि संरक्षा मानकों के अनुपालन के लिए प्रत्येक सवारी डिब्बे के अंत में अग्नि अवरोधक दरवाजे।
- विद्युत कैबिनेटों और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि संसूचन और शमन प्रणाली।
- ऊर्जा दक्षता के लिए रिजेनरेटिव ब्रेकिंग प्रणाली।
- यात्री क्षेत्र के भीतर स्वच्छता मानकों में सुधार के लिए अनुकूलित हवा से 99% हानिकारक बैक्टीरिया को निष्क्रिय करने के लिए, एयर कंडीशनिंग इकाइयों में स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली लगाई गई है।
- केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गैंगवे।
- सभी सवारी डिब्बों में सीसीटीवी।
- आपातकालीन स्थिति में यात्री और गाड़ी प्रबंधक/लोको पायलट के बीच संप्रेषण के लिए आपातकालीन टॉक-बैक इकाई।
- दिव्यांगजन यात्रियों के लिए ड्राइविंग कोच में दोनों तरफ विशेष शौचालय।
- यात्री सुविधाओं जैसे वातानुकूलन, सैलून प्रकाश व्यवस्था आदि की स्थिति पर निगरानी के लिए केंद्रीकृत सवारी डिब्बा निगरानी प्रणाली।
- ऊपर की शायिकाओं पर चढ़ने में सुगमता के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन की गई सीढ़ी।

इस समय, भारतीय रेल नेटवर्क पर 01 जोड़ी वंदे भारत स्लीपर गाड़ी सेवाएँ (स्लीपर कार) परिचालित की जा रही हैं:

क्र.सं.	**रेलगाड़ी संख्या और नाम**
1	27575 / 27576 हावड़ा - कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस

27575/27576 हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस प्रत्येक दिशा का यात्रा समय 14 घंटे है। यह दोनों ओर से चलने वाली सबसे तेज रेलगाड़ियों की तुलना में 2 घंटे से भी कम है।

*****